mam ortam esse puto ex अक्ष्, unde अक्ष et अक्षि oculus et radix gr. 'OΠ) videre, intueri, spectare. Bh. 6. 29. Pat. 10.: ऐक्षत; In. 5. 39. (Vocibus quas supra cum अक्ष comparavimus, addendum est goth. *haih-s*, Th. *haiha* unoculus, de quo egimus in gr. comp. 308. annot.).

c. अधि *id.* Hit. 129. 22.

c. अप 1) respicere, considerare. Ram. III. 3. 58. 20.: यया ना 'पेक्ष्यते राज्ञा· 2) exspectare. Ur. 22. 8. infr. 64. 4.

c. अव 1) videre, intueri, observare. H. 1. 50. 2. 6. A. 4. 38. N. 23. 11. Pat. 25. 2) respicere. Br. 3. 14. N. 12. 16. Sa. 4. 33. — c. अव praef. अनु (अन्ववेक्ष्) 1) videre. Ram. III. 70. 59.: विप्रद्रुतान् सर्वान् यूथपान् अन्ववैक्षत· 2) contemplari. Man. 6. 65.: सूक्ष्मताञ्चा 'न्ववेक्षेत· — c. अव praef. प्रति (प्रत्यवेक्ष्) 1) videre. 2) respicere. Ram. I. 29. 28.: न धर्मम् प्रत्यवेक्षते· — c. अव praef. सम् (समवेक्ष्) 1) videre. Ghat. 19.: मधुनः समवेक्ष्य कालताम्· 2) visitare. Ghat. 13.: किम् इतिच मां समवेक्षसे न दीनाम्·

c. उत् videre, conspicere, intueri. A. 6. 6. Sa. 5. 63.

c. उप 1) *id.* N. 22. 5. 2) ignoscere, indulgere, tolerare. Mah. Exord. 137.: सुतादीन् अनयान् ... उपैक्षत· 3) spernere, repudiare, negligere. Ram. III. 66. 24.: चिरन् ना 'र्हति माम् उपेक्षितुम्·

c. निस् (निर्) conspicere, intueri, spectare, contemplari. H. 4. 41. Bh. 1. 22. Sa. 4. 32.: निरीक्षमाणा (sic cum ed. Calc. legendum pro निरीक्ष्यमाणा).

c. परि explorare. N. 24. 3.: *Caus.* Man. 7. 194.: तांश्च सम्यक् परीक्षयेत्·

c. प्र *i. q. simpl.* In. 2. 26. Dr. 2. 1.: प्रेक्षमाणा (sic cum ed. Calc. pro प्रेक्ष्यमाणा legendum). — *Part. praes. P. invenitur.* H. 3. 7.: प्रेक्षत्यास् ते· — c. प्र praef. अनु (अनुप्रेक्ष्) *id.* Dr. 5. 23. — c. प्र praef. अभि (अभिप्रेक्ष्) intueri, adspicere. Dr. 8. 39. 9. 18. — c. प्र praef. आ (आप्रेक्ष्) *i. q. simpl.* H. 3. 21. — c. प्र praef. सम् (सम्प्रेक्ष्) *id.* N. 6. 2. 19. 36. Br. 2. 18. Bh. 6. 13. — c. प्र praef. अभि + सम् (अभिसम्प्रेक्ष्) *id.* H. 2. 28. Dr. 8. 57.

c. प्रति exspectare. In. 1. 13. N. 20. 17. M. 39. — c. प्रति praef. सम् (सम्प्रतीक्ष्) *id.* Ram. III. 76. 29.: त्वान् नागरी सम्प्रतीक्षते·

c. वि videre. N. 26. 21. Bh. 11. 22. — c. वि praef. अभि (अभिवीक्ष्) *id.* — c. वि praef. उत् (उद्वीक्ष्) 1) *id.* Ram. III. 48. 80. 2) respicere. Ram. III. 45. 33.: उद्वीक्षमाणा भर्तारम् — c. वि praef. उप (उपवीक्ष्) *i. q. simpl.* Ram. III. 45. 33. — c. वि praef. प्रति (प्रतिवीक्ष्) *id.* Ram. I. 14. 37.

c. सम् 1) videre, observare. H. 4. 5. 26. N. 16. 9. 23. 5. 2) respicere. Br. 2. 32.

ईक्षण *n.* (r. ईक्ष् s. अन) 1) visus, conspectus. Hit. 129. 19. 2) oculus. N. 11. 27. 12. 30. 16. 21.

ईङ्ख् 1. *P.* (scribunt ईख्, gr. 110[a].) ire, transire. *In dialecto Vêd. haec radix etiam cl. 10mae normam sequitur, e. c.* ये ईङ्खयन्ति पर्वतान् qui transeunt montes, v. Ros. Sp. p. 9. not.

ईज् 1. *A.* (गतौ *K.* कुत्से गतौ *V.*) ire; contemnere, reprehendere.

ईजे v. यज्.

ईञ्ज् 1. *P. A.* (scribunt ईज्, gr. 110[a].) *i. q.* ईज्.

ईड् 2. *P.* 10. *A.* laudare, celebrare. *In Vêdis invenitur forma* ईळ् *cl. 2. A. mutato* ड् *in* ळ्, *nisi vice versâ* ईड् *ortum est ex* ईळ्. Ros. Sp. p. 10. 1.: त्वाम् ... मर्तास ईळते te homines celebrant.

ईड्य (r. ईड् s. य) laudandus, celebrandus. Dr. 5. 3. Bh. 11. 44.

ईति *f.* (ut videtur, a r. इ s. ति) 1) temporis calamitas. 2) habitatio in exteris locis. Am. (डिम्बप्रवासयोः).

ईदृक् v. sq.

ईदृश् (*N. m. n.* ईदृक्, *f.* ईदृशी, e stirpe pron. इ, producto इ in ई, et दृश् = gr. λικ in ὁμῆλιξ, v. gr. 287. et gr. comp. 415.) talis. Bh. 11. 49.

ईदृश (e stirpe pron. इ, producto इ in ई, et s. दृश, prâcr. दिस vel रिस = gr. λικο in τηλίκος etc., goth. *LEIKA* in *hvêleik'-s* qualis? nostro *welcher*, *svaleik'-s* talis, nostro *solcher*; slav. *liko*, N. m. *lik* e. c. *tolik* talis; lat. *li* in